Deg 2 Hist (A) P-II

फिरोजशाह तुगलक की लोक निर्माण

लोक कल्याण के लिए फिरोजशाह तुगलक ने अनेक भवनों का निर्माण कराया। ऐसा कहा जाता है कि उसने लगभग 300 नगरों को बसाया। उसके द्वारा बसाए गए प्रमुख नगरों में थे - फिरोजाबाद, फतेहाबाद, हिसार, जौनपुर और फिरोजपुर, आदि उसने चार मस्जिद, तीस महल, दो सौ सराय, पाँच अस्पताल, सौ गुम्बद और सौ पुल बनवाए। वह अशोक के दो स्तम्भों को दिल्ली लाकर स्थापित किया इसके अतिरिक्त उसने अनेक बाग लगवाए।

फिरोजशाह तुगलक ने जन कल्याण के लिए अनेक हितकारी कार्य किए। उसने रोजगार कार्यालय की स्थापना की और एक अधिकारी की नियुक्ति की। वह बेरोजगारों का नाम दर्ज करता था और उनकी योग्यता के अनुसार उन्हें रोजगार उपलब्ध कराता था। उसने अनुदान देने के लिए एक विभाग खोला जिसे दीवान-ए-खैरात कहा जाता था।

सुल्तान ने ऐसे कारखाने भी खोले जिनमें सुल्तान, दरबार और सरकार के उपयोग के लिए सामग्री बनाई जाती थी, इससे अनेक बेरोजगारों को रोजगार दिया जाता था। | P-To

फिरोज के समय दास प्रथा को काफी प्रोत्साहन मिला। उसके समय के दासों की संख्या एक लाख अस्सी हजार पहुँच गई थी। इनकी व्यवस्था के लिए एक अलग विभाग खोला गया था। इसकी देखरेख में एक बड़ी रकम खर्च की जाती थी। फिरोजशाह तुगलक ने दासों की शिक्षा के लिए भरपूर ध्यान रखा।

इस प्रकार फिरोज ने लोक कल्याण और लोक निर्माण के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।